

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

‘जीवन रक्षा का जीवंत उदाहरण’: हिमाचल की नर्स ने नवजात को टीका लगाने के लिए लबालब नदी पार की

Publisher

Published on 25 Aug 2025



हिमाचल प्रदेश हमेशा से अपनी प्राकृतिक सुंदरता और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के लिए जाना जाता है। लेकिन इन्हीं कठिनाइयों के बीच कभी-कभी ऐसी कहानियाँ सामने आती हैं जो मानवता, कर्तव्यनिष्ठा और साहस की मिसाल बन जाती हैं। ऐसी ही एक प्रेरक घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

मंडी जिले की एक नर्स का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी जान की परवाह किए बिना एक उफनती नदी को पार करती नज़र आ रही हैं। उनका यह कदम केवल और केवल एक नवजात शिशु के जीवन की सुरक्षा और टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए था।

यह घटना मंडी जिले के एक दुर्गम क्षेत्र की है, जहां लगातार बारिश के कारण नदियाँ और नाले उफान पर हैं। सड़कों के कटने और पुलों के टूटने से कई गाँव मुख्यधारा से कट गए हैं। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है।

बताया जा रहा है कि उस दिन नर्स को एक गाँव में नवजात शिशु का टीकाकरण करना था। लेकिन उस गाँव तक पहुँचने के लिए एक नदी को पार करना ज़रूरी था, जो तेज़ धारा और ऊँचे जलस्तर के कारण अत्यधिक खतरनाक बनी हुई थी।

इसके बावजूद नर्स ने बिना डरे, साहस का परिचय दिया। उन्होंने अपने कपड़ों को कसकर बांधा, हाथ में मेडिकल किट संभाली और नदी में उतर गई। तेज़ बहाव के बावजूद वह धीरे-धीरे कदम बढ़ाती हुई सुरक्षित पार पहुंची और गाँव जाकर बच्चे को टीका लगाया।

आज के समय में जब कई बार लोग कठिनाइयों का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हैं, इस नर्स का साहसिक कदम स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों की सच्ची निष्ठा को दर्शाता है।

टीकाकरण केवल एक चिकित्सा प्रक्रिया नहीं, बल्कि नवजात शिशु के भविष्य को सुरक्षित करने का महत्वपूर्ण कदम है। इस नर्स ने यह दिखाया कि किसी भी परिस्थिति में एक स्वास्थ्यकर्मी का सबसे बड़ा धर्म मरीजों तक समय पर इलाज और सुरक्षा पहुँचाना है।

सोशल मीडिया पर सराहना

जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर आया, लाखों लोगों ने इसे देखा और नर्स की सराहना की। कई यूज़र्स ने इसे “सच्ची हीरोइन”, “जीवन रक्षा का जीवंत उदाहरण” और “फ्रंटलाइन वर्कर्स का असली चेहरा” करार दिया।

लोगों ने यह भी लिखा कि इस तरह की नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों की वजह से ही देश के दूर-दराज़ के इलाकों में भी चिकित्सा सेवाएँ पहुँच पाती हैं।

इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और नेताओं का भी ध्यान खींचा। मंडी जिला प्रशासन ने नर्स की बहादुरी और कर्तव्यपरायणता की

प्रशंसा की और आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए बेहतर आधारभूत ढाँचे पर काम किया जाएगा ।

हिमाचल प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने भी इसे “साहस और सेवा भावना का अद्वितीय उदाहरण” बताया है और संबंधित नर्स को सम्मानित करने की बात कही है ।

यह घटना सिर्फ एक नर्स की बहादुरी की कहानी नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति और चुनौतियों की ओर भी इशारा करती है ।

1. **दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएँ** – हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों में कई गाँव आज भी परिवहन और बुनियादी ढाँचे की कमी से जूझ रहे हैं ।
2. **फ्रंटलाइन वर्कर्स की चुनौतियाँ** – ऐसे कठिन भौगोलिक हालात में डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी किस हद तक संघर्ष करते हैं, यह घटना उसका प्रमाण है ।
3. **टीकाकरण का महत्व** – नवजात शिशुओं का समय पर टीकाकरण बेहद आवश्यक है, क्योंकि यह कई जानलेवा बीमारियों से जीवनभर की सुरक्षा देता है ।

प्रेरणा की मिसाल

यह नर्स उन अनगिनत अनसुने हीरोज़ का प्रतीक हैं जो अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए किसी भी खतरे से पीछे नहीं हटते । उनकी यह कहानी हमें याद दिलाती है कि सेवा भावना और कर्तव्य के प्रति ईमानदारी किसी भी कठिनाई पर विजय पा सकती है ।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले की इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि असली नायक वही होते हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में भी मानवता की सेवा के लिए आगे आते हैं । यह नर्स आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और समाज को यह सिखाती है कि साहस और निष्ठा से बढ़कर कोई ताकत नहीं ।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.